अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 17-8-2019**

समय : 3 घंटा **छठा वर्ष - प्रथम-प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

गतागत–40

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– (कितनी व कहां-कहां से) 24

(क) विभंग अज्ञान–गति-आगति।
(ख) केवलज्ञानी–गति-आगति।
(ग) औदारिक शरीर–गति-आगति।
(घ) सातवीं नरक–गति-आगति।
(ङ) नपुंसक वेद–गति-आगति।
(च) अवधिज्ञान–गति-आगति।
(छ) स्त्री वेद–गति-आगति।
(ज) प्रथम किल्विषिक–गति-आगति।
(झ) हरिवास रम्यकवास के यौगलिक–गति-आगति।
(ञ) मति अज्ञान, श्रुतअज्ञान–गति-आगति।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–(कितनी व कहां-कहां से) 16

(क) सम्यक् दृष्टि तथा मिथ्या दृष्टि में आगति व गति?
(ख) तेजोलेश्या वाले तेजोलेश्या में जाए तो आगति व गति?
(ग) देवकुरु उत्तरकुरु के यौगलिक तथा छप्पन अन्तर्द्वीप के यौगलिक में गति व आगति?
(घ) देवता में कितने भेद व धातकीखंड में कितने व कौन-कौन से भेद?
(ङ) शुक्लपक्षी व कृष्ण पक्षी में आगति व गति?

काय स्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें–(जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर) 30

(क) कापोत लेश्यी।
(ख) मनःपर्यवज्ञानी।
(ग) चक्षुदर्शनी।
(घ) नपुंसक वेदी।
(ङ) सूक्ष्म।
(च) छद्मस्थ अनाहारक।
(छ) बादर भाव पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?
(ज) सवेदी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है? स्पष्ट करें।
(झ) अवधिदर्शनी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी है? अपेक्षा सहित समझाऐं।
(ञ) तिर्यंचणी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?
(ट) विभंगज्ञानी की जघन्य कायस्थिति कितनी व क्यों है? अपेक्षा सहित बताऐं।
(ठ) सूक्ष्म क्षेत्र पुद्गल परावर्तन की व्याख्या कायस्थिति की टिप्पणी के आधार पर करें।

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 10

(क) पद्म लेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से बताई गई है?
(ख) क्षुल्लक भव में दो समय कम किस अपेक्षा से लिया गया है?
(ग) कायस्थिति से क्या तात्पर्य है?

(घ) संयतासंयति की जघन्य कायस्थिति अन्तर्मुहूर्त किस अपेक्षा से ली गई है?

(ङ) द्वीन्द्रिय की उत्कृष्ट भवस्थिति कितनी है?

(च) सइन्द्रिय पंचेन्द्रिय में पर्याप्त की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी है?

(छ) पुद्गल परावर्तन में कितनी और कौन सी वर्गणाओं का ग्रहण होता है?

(ज) काय योग की जघन्य कायस्थिति एक समय क्यों नहीं हो सकती है?

(झ) निगोद में अनंतकाल की स्थिति कैसे बनती है?

(ञ) सूक्ष्म पुद्गल परावर्तन के कितने व कौन से प्रकार बनते हैं?

(ट) काय योग की जघन्य कायस्थिति एक समय क्यों नहीं हो सकती है?

(ठ) भाषक की जघन्य कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

गीतिका (पांच वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं पांच पद्यों को लिखें– 15

(क) पोथा पानां.....भराई रे।

(ख) दशों ही .....आण विवेक।

(ग) मोह नो उदै.....तामो रे।

(घ) सचित्तादिक द्रव्य.....दान ए।

(ङ) खेत धान.....उफणोय।

(च) आय मिले कुपातर.....कही ए।

(छ) आभा नगरी ..... फन्द रे।

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) मोह कर्म का क्षयोपशम निष्पन्न भाव कौन से गुणस्थान तक होता है?

(ख) छठा गुणस्थान कब बदलता है?

(ग) चार अघात्य कर्मों का उदय निष्पन्न भाव किस गुणस्थानों में पाया जाता है?

(घ) भगवान ने मिथ्यात्वी किसे कहा है तथा इसका वर्णन किस सूत्र में वर्णित है?

(ङ) दुर्गति का प्रमाण पत्र क्या व कौन सा है?

(च) सम्यक्त्व की प्राप्ति किस प्रकार होती है?